



# आयुक्त का कार्यालय, (अपीलस)

Office of the Commissioner,

केंद्रीय जीएसटी, अहमदाबाद आयुक्तालय

Central GST, Appeal Commissionerate- Ahmedabad

जीएसटी भवन, राजस्व मार्ग, अम्बावाड़ी अहमदाबाद ३८००१५.

CGST Bhavan, Revenue Marg, Ambawadi, Ahmedabad 380015

☎ : 079-26305065

☎ : 079 - 26305136



Post Speed By द्वारा

7870+07874

क फाइल संख्या (File No.) : V2(64)36 /North/Appeals/ 2018-19

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.): AHM-EXCUS-002-APP-77-18-19

दिनांक (Date): 14-Sep-18 जारी करने की तारीख (Date of issue): 2/11/2019

श्री उमा शंकर, आयुक्त (अपील) द्वारा पारित

Passed by Shri Uma Shanker , Commissioner (Appeals)

ग \_\_\_\_\_ आयुक्त, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, (मंडल-V), अहमदाबाद उत्तर, आयुक्तालय द्वारा जारी

मूल आदेश सं \_\_\_\_\_ दिनांक \_\_\_\_\_ से सृजित

Arising out of Order-In-Original No 02/AC/Dem/2017/RTP Dated: 28/12/2017

issued by: Assistant Commissioner-Central Excise (Div-V), Ahmedabad North,

घ अपीलकर्ता/प्रतिवादी का नाम एवम पता (Name & Address of the Appellant/Respondent)

**M/s Phenix Procon Pvt ltd**

कोई व्यक्ति इस अपील आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील या पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

Any person an aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way:

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन :

Revision application to Government of India:

(1) (क) (i) केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1994 की धरा अतत नीचे बताए गए मामलों के बारे में पूर्वोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परंतुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अधीन सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 को की जानी चाहिए।

A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid:

(ii) यदि माल की हानि के मामले में जब हानि कारखाने से किसी भंडारगार या अन्य कारखाने में या किसी भंडारगार से दूसरे भंडारगार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भंडारगार या भंडार में चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भंडारगार में हो माल की प्रकिया के दौरान हुई हो।

In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामले में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित हैं



घ अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं.2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हों।

(d) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनांक से तीन मास के भीतर मूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ. का मुख्यशीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(2) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्न रकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।  
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील-  
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35- १0बी/35-इ के अंतर्गत:-

Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

उक्तलिखित परिच्छेद 2 (1) क में बताए अनुसार के अलावा की अपील, अपील के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में दूसरा मंजिल, बहुमाली भवन, असारवा, अहमदाबाद, गुजरात 380016

To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at 2<sup>nd</sup> floor, Bahumali Bhavan, Asarwa, Ahmedabad-380016 in case of appeals other than, as mentioned in para-2(i) (a) above.

(2) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 की धारा 6 के अंतर्गत प्रपत्र इ.ए-3 में निर्धारित किए अनुसार अपीलीय न्यायाधिकरण की गई अपील के विरुद्ध अपील किए गए आदेश की चार प्रतियाँ सहित जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या उससे कम है वहाँ रूपए 1000/- फीस गेजनी होगी; जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या 50 लाख तक हो तो रूपए 5000/- फीस गेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 50 लाख या उससे ज्यादा है वहाँ रूपए 10000/- फीस गेजनी होगी। की फीस राहायक रजिस्टार के नाम से रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में संबन्ध की जाये। यह ड्राफ्ट उस स्थान के किसी नागित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की शाखा का हो

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registrar of a branch of any nominate public sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated

(3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

(4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूची-1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूल आदेश यथास्थिति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रति पर रु.6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।



One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

(5) इन और संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सीस्टेट) के प्रति अपीलों के मामलों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1984 की धारा 39फ के अंतर्गत वित्तीय(संख्या-2) अधिनियम 2014(2014 की संख्या 29) दिनांक: 06.08.2014 जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है. द्वारा निश्चित की गई पूर्व-राशि जमा करना अनिवार्य है, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा की जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रूपए से अधिक न हो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "माँग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है

- (i) धारा 11 डी के अंतर्गत निर्धारित रकम
- (ii) सेनवैट जमा की ली गई गलत राशि
- (iii) सेनवैट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम

→ आगे बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम, 2014 के आरम्भ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन स्थगन अर्जी एवं अपील को लागू नहीं होगा।

For an appeal to be filed before the CESTAT, it is mandatory to pre-deposit an amount specified under the Finance (No. 2) Act, 2014 (No. 25 of 2014) dated 06.08.2014, under section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under section 83 of the Finance Act, 1994 provided the amount of pre-deposit payable would be subject to ceiling of Rs. Ten Crores, Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

→ Provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(6)(i) इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

(6)(i) In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute."

II. Any person aggrieved by an Order-in-Appeal issued under the Central Goods and Services Tax Act, 2017/Integrated Goods and Services Tax Act, 2017/Goods and Services Tax (Compensation to States) Act, 2017, may file an appeal before the appropriate authority.



**ORDER-IN-APPEAL**

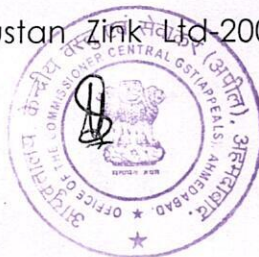
M/s Phenix Procon Pvt Ltd., Village-Gangad, Ahmedabad (henceforth, "appellant") has filed the present appeal against the Order-in-Original No.02/AC/Dem/2017/RTP dated 28.12.2017(henceforth, "impugned order") passed by the Assistant Commissioner CGST&CX, Division V, Ahmedabad North (henceforth, "adjudicating authority").

2. The facts of the case, in brief, are that based on audit, the appellant, a manufacturer of bricks falling under chapter head no. 6810 of Central Excise Tariff Act 1985 was issued a show cause notice dated 22.11.2016 disallowing CENVAT credit of Rs.5,13,060/- and Rs.5,51,556/- availed on input CT Bars, Ready Mix Concrete(RMC) and input services i.e. works contract used for construction respectively which was decided under the impugned order confirming said demand along with interest and penalty.

3. Being aggrieved with the impugned order the appellant preferred this appeal contesting *inter alia*, the following:

- a) As per the definition of the input service provided under rule 2(k) of the Cenvat Credit Rules, 2004, input used in manufacture of capital goods in the premises of the manufacturer which are further used in the manufacturing process falls under the definition of inputs and hence eligible for credit.
- b) The goods in question were used in manufacture/repair and maintenance of capital goods producing the final product.
- c) As per the term of Cenvat Credit Rules, capital goods include components, spares, and accessories of specified goods. The only condition is that it should be used in factory of manufacture.
- d) Item which are used for repair and maintenance of machineries are eligible inputs for Cenvat credit.
- e) Ready Mix Concrete(RMC) and construction services are used in the foundation of capital goods/machinery.
- f) Inputs used for repair and maintenance of capital goods are held eligible for Cenvat credit. They cited following decisions;

CCE v/s India Cements-2006(199)ELT75(Tri), Hotline Glass Ltd v/s CCE2007(207)EL589(Tri), Ispat Industres Ltd v/s CCE 2006(195)ELT74(Tri), UOI v/s Hindustan Zink Ltd 2007(214)ELT510(Raj) etc,



4. In the personal hearing held on 25.07.2018, Shri R. Subramanya , Advocate, represented the appellant and reiterated the grounds of appeal. He pointed out case of Thiru Arooran Sugars reported in 2007(355) ELT 373(Mad.) in their favor.

5. I have carefully gone through the appeal papers and other documents submitted by the appellant. The appellant requested to condone the delay of 11 days which was caused because of tour of authorized person which appears to be genuine and I accept the same. The issue of eligibility of CENVAT credit as 'input' on CTD Bars Ready Mix Concrete(RMC) and construction/works contract as 'input service' needs to be decided in the present appeal. The adjudication authority held that CTD Bars and RMC used in construction of factory premise cannot be considered as input and service of construction or execution of works contract used for construction of factory premise are not eligible as input service and hence credit availed were ordered to be repaid.

6. So far as the use of CTD Bar & Ready Mix Concrete(RMC) are concern, I find that Cenvat credit has been availed under the head 'input'. The definition of input as provided under rule 2(k) of Cenvat Credit Rules 2004 during the period under dispute is under:

(k) "input" means-

(i) all goods used in the factory by the manufacturer of the final product; or

(ii) any goods including accessories, cleared along with the final product, the value of which is included in the value of the final product and goods used for providing free warranty for final products; or

(iii) all goods used for generation of electricity or steam or *pumping of water* for captive use; or

(iv) all goods used for providing any output service; or

(v) *all capital goods which have a value upto ten thousand rupees per piece.*

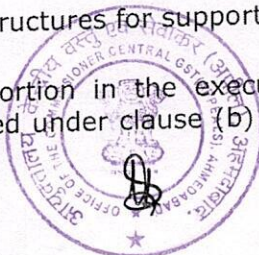
but excludes-

(A) light diesel oil, high speed diesel oil or motor spirit, commonly known as petrol;

(B) any goods used for -

(a) construction or execution of works contract of a building or a civil structure or a part thereof; or

(b) laying of foundation or making of structures for support of capital goods, except for the provision of service portion in the execution of a works contract or construction service as listed under clause (b) of section 66E of the Act;



-(C) capital goods, except when,-

(i) used as parts or components in the manufacture of a final product; or

(ii) the value of such capital goods is upto ten thousand rupees per piece;

(D) motor vehicles;

(E) any goods, such as food items, goods used in a guesthouse, residential colony, club or a recreation facility and clinical establishment, when such goods are used primarily for personal use or consumption of any employee; and

(F) any goods which have no relationship whatsoever with the manufacture of a final product.

Explanation. - For the purpose of this clause, "free warranty" means a warranty provided by the manufacturer, the value of which is included in the price of the final product and is not charged separately from the customer;

The appellant has availed Cenvat credit on CTD Bar & Ready Mix Concrete(RMC) under the head 'input'.

7. From the Order-In-Original, I find that the adjudicating authority has mentioned the appellant's submission in para 8.1 to 8.5. In para 8.2, appellant have submitted that the goods in question were used in the manufacture/repair and maintenance of capital goods. In their further submission they have reiterated and explained that impugned goods have been used for periodical maintenance. I find that the adjudicating authority has not examined the submissions of the party at all and have proceeded to validate the allegations made in the Show Cause Notice. The impugned order very casually examines the goods namely CTD bar and RMC as such and came to the conclusion that the impugned goods were used in the construction of factory premises. I find from para 11.3 of the impugned order that the original adjudicating authority states that;

*"I find that the assessee without giving the correct position of the issue, just explained the definition of "inputs" as per Rule 2(k) of Cenvat Credit Rules,2004 and submitted that the inputs used in the factory premises for manufacture of capital goods, also fall under the definition of Inputs. I find that during the course of audit, the officers had observed that they had availed Cenvat credit on CTD Bars/RMC which are used in construction of factory premises."*

This approach in adjudication is not proper and legal. It is a settled law of jurisprudence that when department is making the allegations, department has to prove it and not the party. However, I would like to examine the department's allegations as well as original authority's



finding. I find that the appellant has repeatedly, through various submissions, have stated that the material has been used for repair and maintenance of the capital goods etc. They may have faltered in categorizing the goods under the category of capital goods or input but fact remains that his submissions should have been examined by the department whether his claim of cenvat credit is falling under the category of capital goods or input service and also whether the goods have been used for renovation, maintenance etc. as claimed by the appellant, which is permissible under the definition of input service under Rule 2(l)(ii) of Cenvat Credit rules, 2004 under the head modernization, renovation or '**repairs of a factory premises**'. If we consider 'repair of a factory premises' then it will become very clear that various items i.e. cement, concrete, CTD Bar etc will be used for renovation and repairs of a factory premises and hence will be allowable. I find that the impugned order has completely failed in examining this aspect and has proceeded in a straight jacket manner to consider 'CTD Bar/RMC' being an excluded item. If the appellant's submission would have been examined objectively, the department would have realized that the definition provides keywords like 'repair of factory premises' 'modernization' 'renovation' etc. which all is not in the nature of fresh or the first construction but renovation or repairs. Hon'ble Apex Court in case of Rajasthan Spinning & Weaving Mills Ltd (2010) 255 ELT 481(SC) observes that:

12. *Inter alia* observing that capital goods can be machines, machinery, plant, equipment, apparatus, tools or appliances if any of these goods is used for producing or processing of any goods or for bringing about any change in the substance for the manufacture of final product, although this view was expressed in the light of the afore-noted definition of "capital goods" in the said Rule, which is not there in Rule 57Q, as applicable in the instant case, yet the "user test" evolved in the judgment, which is required to be satisfied to find out whether or not particular goods could be said to be capital goods, would apply on all fours to the facts of the present case, in fact, in para 6 of the said judgment, the court noted the stand of the learned Additional Solicitor General, appearing for the Revenue, to the effect that the question whether an item falls within the purview of "capital goods" would depend upon the user it is put to.

13. Applying the "user test" on the facts in hand, we have no hesitation in holding that the steel plates and M.S. channels, used in the fabrication of chimney would fall within the ambit of "capital goods" as contemplated in Rule 57Q. It is not the case of the Revenue that both these items are not required to be used in the fabrication of chimney, which is an integral part of the diesel generating set, particularly when the Pollution Control laws make it mandatory that all plants which emit effluents should be so equipped with apparatus which can reduce or get rid of the effluent gases. Therefore, any equipment used for the said purpose has to be treated as an accessory in terms of Serial No. 5 of the goods described in column (2) of the Table below Rule 57Q.

8. The mechanical way reiterates <sup>the</sup> <sub>of</sub> the allegations in the show cause notice without support and concrete evidences leaves me with no alternative but to accept the submission of the party. The show cause

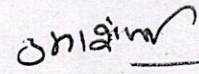


notice had not stated whether the factory has been constructed new or there is no renovation or repair to deny the credit as per definition. I find nothing in the show cause notice or impugned order to show that the factory is new or constructed recently and not renovated. Therefore I am not ready to support said finding of the impugned order.

9. In view of the above, the appeal filed by the appellant is allowed.

10. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

The appeal filed by the appellant stands disposed of in above terms.

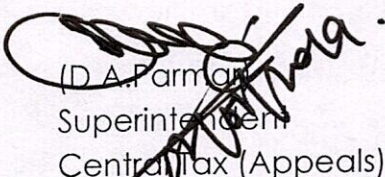


(उमा शंकर)

केन्द्रीय कर आयुक्त (अपील्स)

Date:

Attested

  
(D.A. Parmar)  
Superintendent  
Central Tax (Appeals)  
Ahmedabad



By R.P.A.D.

To,  
Phenix Procon Pvt Ltd.,  
87/1 Dholka-Bagodara Road  
Village-Gangad, Dholka-Bavla Road,  
Ahmedabad-382240.

Copy to:

1. The Chief Commissioner of Central Tax, Ahmedabad Zone.
2. The Commissioner of Central Tax, Ahmedabad - North.
3. The Additional Commissioner, Central Tax (System), Ahmedabad North.
4. The Asst./Deputy Commissioner, Central Tax, Division-V, Ahmedabad-North.
5. Guard File
6. P.A.